REET 2025 LEVEL-1 & 2

वंदन बैच

हिंदी

समास

LIVE 17-01-2025 11:00 AM

विलोम शब्द
↳ व्यास

समास (संक्षेप)

पद - दो
↳ पूर्वपद - पहला
↳ उत्तरपद - दूसरा

- अव्ययीभाव समास (पूर्वपद प्रधान)
- तत्पुरुष समास (उत्तरपद प्रधान) → मुख्य
- कर्मधारय समास (उत्तरपद प्रधान)
- द्विगु समास (उत्तरपद प्रधान)
- द्वन्द्व समास (दोनों पद प्रधान)
- बहुव्रीहि समास (दोनों पद अप्रधान)

परिभाषा ⇒ जब दो पद मिलकर एक नवीन और सार्थक शब्द का निर्माण करते हैं तब समास बनता है।

⇒ कन्या + दान = कन्यादान (सम्बन्ध तत्पुरुष)

कन्या → पूर्वपद (पहला)

दान → उत्तरपद (दूसरा)

कन्यादान → समास

* समास के छः भेद होते हैं।

समासिक शब्दों के बीच के सम्बन्ध को स्थापित करना

समास विग्रह = कन्या का दान

1. अव्ययीभाव समास - जिस समास में पूर्वपद अव्यय तथा पूर्व पद प्रधान होता है। अव्ययीभाव समास कहलाता है।

जिसका कुछ भी व्यय न हो

बिना किसी बदलाव के

उपसर्ग – प्रति, भर, यथा, बे, बा, ब, आ, अ, अनु, पर, दर, नि, उप, ला

उदाहरण -

- प्रतिमास = हर मास
- प्रत्यंग = हर अंग
- प्रत्युपकार = उपकार के प्रति
- प्रत्यक्ष = अक्षि के आगे
- परोक्ष = अक्षि के परे
- अकारण = बिना कारण के
- बेकाम = बिना काम के
- यथाशक्ति = शक्ति के अनुसार
- यथासमय = समय के अनुसार
- आजीवन = जीवन के अनुसार
- अनुरूप = रूप के अनुसार
- निर्विवाद = बिना विवाद के
- दरअसल = असल में

- बेफायदा = बिना फायदे का
- भरपेट = पेट भरकर
- उपकूल = कूल के समीप
- बखूबी = खूबी के साथ
- निधड़क = बिना धड़क के
- यावज्जीवन = जब तक जीवन है
- दिनानुदिन = दिन के बाद दिन
- प्रतिक्षण = हरक्षण
- बेचैन = बिना चैन के

- प्रत्येक = एक एक
- लावारिस = बिना वारिस के
- साफ – साफ = बिल्कुल साफ
- रातों – रात = रात ही रात
- घड़ी – घड़ी = घड़ी ही घड़ी
- हाथों - हाथ = हाथ ही हाथ
- पल – पल = पल ही पल
- बार – बार = बार ही बार
- रोज – रोज = रोज ही रोज

नोट – आप-ही-आप, घर-ही-घर, मन-ही-मन, कहीं-न-कहीं, कुछ-न-कुछ, मुँह-आ-मुँह, सर-आ-सर, एक-आ-एक (कभी-कभी द्विरुक्त शब्दों के बीच ही, से, न, आ आदि रहता है)

सरासर